EHX33N

पाठ-2

पृथ्वी के स्थलरूप

पृथ्वी के धरातल पर हमें विभिन्न प्रकार की स्थलाकृतियाँ (Landforms) देखने को मिलती हैं। इन स्थालाकृतियों से ही प्राकृतिक भूदृश्यों का निर्माण होता है। धरातल पर उच्चावच के आधार पर इन स्थलाकृतियों को तीन श्रेणियों में बाँटा जाता है-

1. प्रथम श्रेणी के उच्चावच- महाद्वीप एवं महासागर।

2. द्वितीय श्रेणी के उच्चावच- पर्वत, पठार एवं मैदान।

3. तृतीय श्रेणी के उच्चावच- टीले, नदी घाटियाँ, डेल्टा।

इसे भी जानें-

स्थलाकृति (Topography)- पृथ्वी की सतह के आकार एवं आकृतियों को स्थलाकृति कहते हैं।

उच्चावच (Relief)- धरातल की ऊँचाई-निचाई से बनने वाले प्रतिरूप (Pattern) को उच्चावच कहते हैं।

किसी भी क्षेत्र की स्थलाकृतियों के निर्माण में शैलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं। कड़ी एवं मजबूत

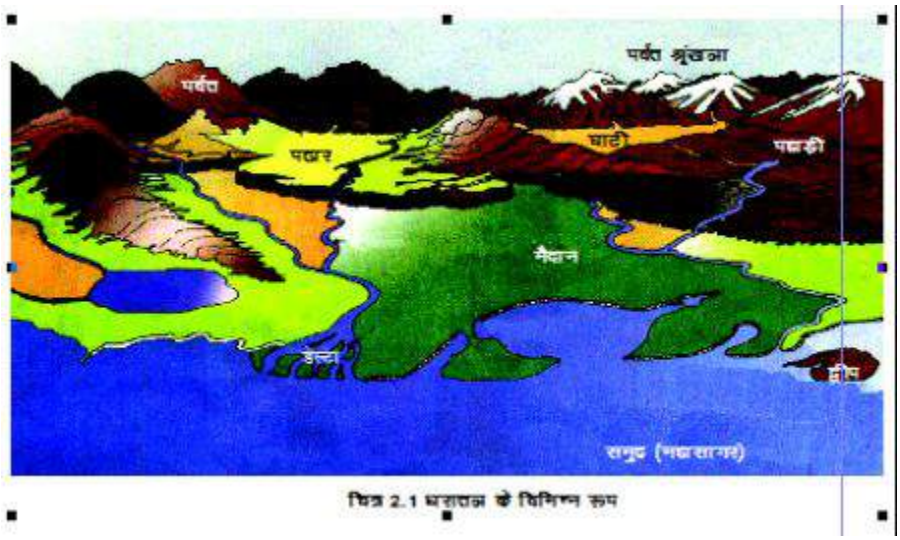

चित्र 2.1 धरातल के विभिन्न रूप

चट्टानों की पर्वत, पहाड़ियों एवं पठारों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके विपरीत कम दृढ़ता वाली चट्टानों जैसे चिकनी मिट्टी, बालू आदि से मैदान, टीले, छोटी एवं नीची पहाड़ियों का निर्माण होता है। निर्माण के आधार पर स्थलाकृतियों के तीन मुख्य प्रकार होते हैं। ये हैं-पर्वत, पठार एवं मैदान। इन्हें धरातल पर द्वितीय श्रेणी के स्थलरूप कहते हैं।

पर्वत एवं पहाड़ी (Mountain Hills)

सामान्यतः आस-पास के धरातल से ऊँची स्थलाकृतियों को पर्वत तथा उससे कम ऊँची स्थलाकृतियों को पहाड़ी कहते हैं। पर्वत साधारणतया समूह में होते हैं। इसे पर्वत श्रेणी (डवनदजंपद तंदहम) कहते हैं। पहाड़ दूर से ही स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगते हैं एवं उनका शिखर क्षेत्र अपेक्षाकृत संकुचित होता है। उत्पत्ति के अनुसार पर्वत मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं-

1. वलित या मोड़दार पर्वत (Folded Mountain)

जब चट्टानों में पृथ्वी की आन्तरिक शक्तियों के कारण मोड़ या वलन पड़ जाता है तो उसे मोड़दार पर्वत कहते हैं। वर्तमान युग में सभी बड़े पर्वत मोड़दार या वलित पर्वत हैं। ये लगभग सभी महाद्वीपों में पाए जाते हैं।

कुछ प्रमुख वलित पर्वत हिमालय, एलबुर्ज, आल्पस, एटलस, ड्रेकेन्सबर्ग, राकीज, एण्डीज ग्रेट डिवाइडिंग रेंज आदि हैं। इनका विश्व के मानचित्र पर अवलोकन करें।

2. खण्ड या भ्रंश पर्वत (Block Mountain)

विशालकाय चट्टानी खण्डों में भ्रंश या दरार पड़ने से इनका निर्माण होता है। चट्टानों के भ्रंशित होकर ऊपर उठने या नीचे धँसने से भ्रंश पर्वत अस्तित्व में आते हैं। भ्रंश पर्वत के निकट बनी घाटी भ्रंश घाटी कहलाती है। भारत में नर्मदा नदी, विन्ध्य एवं सतपुड़ा पर्वतों के मध्य भ्रंश घाटी में बहती है। विश्व के प्रमुख भ्रंश पर्वत वास्जेस, ब्लैक फारेस्ट, सिएरा नेवादा, आदि हैं। हमारे देश मंे पश्चिमी घाट, भ्रंश पर्वत का प्रमुख उदाहरण हैं।

3. ज्वालामुखी पर्वत (Volcanic mountain)

ज्वालामुखी भूपर्पटी पर एक मुख या खुला द्वार होता है। इस रास्ते से मैग्मा या लावा पृथ्वी के ध्ारातल पर आता है। द्वार या मुख से गर्म लावा बाहर आने के कारण इसे ज्वालामुखी कहते है। इस द्वार के चारों ओर लावा एकत्र होने से शंकु के आकार की आकृति बनती है। इसे ज्वालामुखी पर्वत कहते हैं। विश्व के कुछ प्रमुख ज्वालामुखी पर्वत मोना लोवा, चिम्बोराजो, क्राकतोआ, विसूवियस, पिलियन आदि
हैं। अपने शिक्षक की सहायता से इनका मानचित्र पर अवलोकन करें। भारत का एकमात्र सक्रिय ज्चालामुखी अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के बैरन द्वीप पर है।

पठार (Plateau)

पृथ्वी पर अपेक्षाकृत ऊँचे एवं चैरस स्थलरूप पठार कहलाते हैं। ये पर्वतों की अपेक्षा कम ऊँचे होते हैं परन्तु इनका शिखर छोटे-छोटे उच्चावच को छोड़कर समतल एवं सपाट होता है। पठार के किनारे खड़े ढाल वाले होते हैं। अफ्रीका महाद्वीप का अधिकांश भाग पठार है। भारत का प्रायद्वीपीय भाग पठार का प्रमुख उदाहरण है। विश्व के कुछ अन्य प्रमुख पठारों का मानचित्र पर अवलोकन करें- साइबेरिया का पठार, पश्चिम आस्टे^{a}लिया का पठार, ब्राजील का पठार, कोलम्बिया का पठार, कनाडा शील्ड आदि।

मैदान (Plain)

प्रायः भूपटल पर समतल किन्तु निचले स्थलरूपों को मैदान कहते हैं। इनका ढाल मन्द होता है तथा छोटे-छोटे उच्चावच को छोड़कर ये समतल एवं सपाट होते हैं। उत्तर भारत का मैदान विश्व के प्रमुख मैदानों में से एक है। विश्व के कुछ अन्य प्रमुख मैदान- यूरोप का मैदान, साइबेरिया का मैदान, ह्वांगहो का मैदान, उत्तरी अमेरिका का मैदान, मध्य एशिया का मैदान आदि हैं।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) वलित पर्वत से आप क्या समझते हैं ? विश्व के किन्हीं 3 वलित पर्वतों के नाम बताइए ?

(ख) ज्वालामुखी किसे कहते हैं ? ज्वालामुखी पर्वत कैसे बनते हैं।

(ग) पठार किसे कहते हैं ? ये मैदानो से किस प्रकार भिन्न हैं।

(घ) महाद्वीप और महासागर किस श्रेणी के उच्चावच हैं ?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) पर्वत, पठार एवं मैदान पृथ्वी पर ..... श्रेणी से उच्चावच हैं।

(ख) भारत का एकमात्र ज्वालामुखी अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह में ..... द्वीप पर हैं।

(ग) ..... महाद्वीप का अधिकांश भाग पठार है।

3. सही जोड़े मिलाइए-

वलित पर्वत	विसूवियस
ज्वालामुखी पर्वत	नर्मदा
भ्रंश घाटी	पश्चिमी घाट
भ्रंश पर्वत	हिमालय

भौगोलिक कुशलताएँ

विश्व के अलग-अलग रिक्त मानचित्रों पर निम्नलिखित स्थलरूपों को छायांकित कीजिए-

- हिमालय, आल्प्स, एटलस, एण्डीज, राकीज।
- तिब्बत का पठार, ब्राजील का पठार, भारत का प्रायद्वीपीय पठार।
- उत्तर भारत का मैदान, ह्वांगहो का मैदान, साइबेरिया का मैदान।

परियोजना कार्य(Project work)

भारत में पाए जाने वाले विभिन्न स्थलरूपों जैसे- पर्वत, पठार व मैदान की सूची बनाइए और उन्हें भारत के रिक्त मानचित्र पर प्रदर्शित कीजिए।